भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं 1467
13.02.2025 को उत्तर देने के लिए

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024

1467. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा:

क्या **खाद्य प्रसंस्करण** उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 कार्यक्रम और प्रदर्शित नवाचारों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या उक्त आयोजन खाद्य प्रसंस्करण और संबद्ध क्षेत्रों में निवेश/ निवेशकों को आकर्षित करने में सहायक होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री रवनीत सिंह)

(क): खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने 19-22 सितंबर 2024 तक भारत मंडपम , नई दिल्ली में 'वर्ल्ड फूड इंडिया 2024' का आयोजन किया । इस आयोजन के मुख्य घटक थे - प्रदर्शनी, सम्मेलन और ज्ञान सत्र, रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठकें, उच्च स्तरीय उद्योग गोलमेज सम्मेलन, स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज और विशिष्ट मंडप खंडों में फल और सब्जियां, डेयरी और मूल्यवर्धित डेयरी उत्पाद, मशीनरी और पैकेजिंग, खाने के लिए तैयार/पकाने के लिए तैयार, प्रौद्योगिकी और नवाचार, पालतू पशु के खाद्य उत्पाद आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम में 67 स्थानों पर खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का उद्घाटन किया गया, जो खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) और प्रधान मंत्री किसान संपदा योजना (पीएमकेएसवाई) के अंतर्गत कुल 5,135 करोड़ रुपये के निवेश से समर्थित हैं। इसके अलावा, 2,351 करोड़ रुपये की सूक्ष्म परियोजनाओं के लिए 25,000 लाभार्थियों को ऋण से जुड़ी सहायता प्रदान की गई , साथ ही प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन (पीएमएफएमई) योजना के अंतर्गत 70,000 स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सदस्यों के लिए 245 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी मंजूर की गई। इस कार्यक्रम को भारत सरकार के 09 मंत्रालयों/विभागों, 8 सहयोगी निकायों और 26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों का समर्थन प्राप्त था ।

इस कार्यक्रम में 1557 प्रदर्शकों, 20 देशों के मंडपों और 108 देशों के 809 खरीदारों और 2390 विदेशी प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय भागीदारी हुई, जिसमें 18,000 से अधिक रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठकें हुईं । इस

कार्यक्रम में 06 मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों सहित 16 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। उच्च स्तरीय उद्योग गोलमेज चर्चा 19 सितंबर 2024 को आयोजित की गई। इस गोलमेज का प्राथमिक उद्देश्य कृषि - खाद्य क्षेत्र के प्रमुख उद्योग लीडर्स और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के बीच रणनीतिक संवाद को सुविधाजनक बनाना था। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने वर्ल्ड फूड इंडिया-2024 के एक भाग के रूप में वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन (जीएफआरएस)-2024 का आयोजन किया।

वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 के प्रौद्योगिकी मंडप में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण नवाचारों का प्रदर्शन किया गया , जिनमें शामिल हैं:

i. प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की पोषण गुणवत्ता का लाइव डेमो
ii. उत्पादों को पारगमन के दौरान आवश्यक तापमान सीमा के भीतर बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने वाली नवोन्मेषी शीत श्रृंखला निगरानी प्रणालियों का प्रदर्शन
iii. बायोमास बॉयलर का डेमो मॉडल, जो नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के रूप में स्थिर पैलेट का उपयोग करता है
iv. इंटरैक्टिव स्क्रीन का उपयोग करके संशोधित वायुमंडलीय पैकेजिंग (एमएपी)
v. रंग बदलने वाली स्याही के साथ स्मार्ट पैकेजिंग डिस्प्ले
vi. 3डी मॉडल के माध्यम से हाइड्रोपोनिक्स का प्रदर्शन

(ख): वर्ल्ड फूड इंडिया खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मौजूद भारत की विपुल क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है , जिसमें नीति समर्थन, अवसंरचना और उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला जाता है। यह आयोजन साझेदारी और सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए वैश्विक और घरेलू निवेशकों, खाद्य प्रसंस्करणकर्ताओं, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाता है। निवेश के अवसरों पर समर्पित सत्रों, नवीन तकनीकों के लाइव प्रदर्शनों और भारत की प्रमुख योजनाओं जैसे पीएलआईएसएफपीआई, पीएमकेएसवाई और पीएमएफएमई की प्रदर्शनियों के माध्यम से, वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 ने भारत को एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया। यह आयोजन संधारणीयता, मूल्य संवर्धन और निर्यातोन्मुखी विकास पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जो भारत को खाद्य प्रसंस्करण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करता है। यह व्यापक दृष्टिकोण निवेश आकर्षित करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को बढ़ाने और क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

*****